भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2326
जिसका उत्तर सोमवार 18 दिसम्बर, 2023
27 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाना है

विनिवेश से प्राप्त आय

2326. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री प्रतापराव जाधवः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु सरकार ने विनिवेश से प्राप्त आय का क्या लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) क्या सरकार के वर्ष 2023-24 में अपने विनिवेश लक्ष्य से यह प्राप्ति 30,000 करोड़ रुपये कम रहने की संभावना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार ने विनिवेश से कुल कितना राजस्व अर्जित किया है;

(ङ) निजीकरण में विलंब से सरकार के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य, जो सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत है, पर किस प्रकार प्रभाव पड़ने की संभावना है; और

(च) आगामी वित्तीय वर्ष में किन-किन सरकारी संस्थाओं के विनिवेश पर विचार किए जाने की संभावना है और इस संबंध में कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. भागवत किशनराव कराड)

(क) : चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में विनिवेश प्राप्तियों के लिए बजट अनुमान 51,000 करोड़ रुपये रखा गया है।

(ख) एवं (ग) : चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में विनिवेश प्राप्तियों के लिए बजट अनुमान को सौदों के संपन्न होने की संभावना के आधार पर निर्धारित किया गया था। यद्यपि, विनिवेश एक सतत प्रक्रिया है, और विनिवेश सौदों का संपन्न होना प्रशासनिक व्यवहार्यता, बाजार परिस्थितियों, घरेलू और वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण और निवेशक अभिरुचि पर निर्भर करता है।

इसे ध्यान में रखते हुए, चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, विनिवेश से हुई वास्तविक प्राप्तियों की प्रमात्रा का अनुमान लगाना कठिन है।

(घ) : चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, सरकार ने दिनांक 13.12.2023 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न विनिवेश सौदों के माध्यम से लगभग 10,050 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाई है।

(ङ.) : वित्तीय वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा कई कारको जैसे कि कुल व्यय, कुल गैर-ऋण प्राप्तियों, सकल घरेलू उत्पाद आदि पर निर्भर करता है। कर और गैर-कर प्राप्तियाँ सरकार की कुल गैर-ऋण प्राप्तियों का बड़ा हिस्सा हैं। सरकार को चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को प्राप्त करने की संभावना है।

(च) : विनिवेश पर सरकार की नीति का क्रियान्वयन रणनीतिक विनिवेश (प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ सीपीएसई में भारत सरकार की शेयरधारिता के समग्र या पर्याप्त हिस्से की बिक्री) और अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के माध्यम से किया जाता है। सरकार ने वर्ष 2016 से पीएसई और/या पीएसई की सहायक कंपनियों/ इकाईयों/संयुक्त उद्यमों/बैंकों के रणनीतिक विनिवेश के लिए 36 मामलों में 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया है। 36 मामलों में से 33 मामलों को दीपम द्वारा और 3 मामलों को संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग द्वारा देखा जा रहा है। दीपम द्वारा संभाले जा रहे 33 मामलों में से 10 मामलों में रणनीतिक विनिवेश सौदे संपन्न कर लिए गए हैं; (8 सौदे सीपीएसई से सीपीएसई क्षेत्र में हैं, जबकि एयर इंडिया और एनआईएनएल का निजीकरण किया गया है) बचे हुए 23 मामलों में 05 पीएसई के बंदीकरण पर विचार किया जा रहा है; मुकदमेबाजी के चलते 1 मामला अटका हुआ है और 01 मामला एनसीएलटी के समक्ष कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के अधीन है और दो सौदों को संभाव्य नहीं पाया गया। शेष 14 सौदे विभिन्न चरणों में हैं। ब्यौरे अनुबंध में दिए गए हैं।

अन्य पीएसई में, जहां सरकार नियंत्रण अपने पास बनाए हुए है, अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के माध्यम से विनिवेश समय-समय पर प्रचलित बाजार परिस्थितियों और निवेशक अभिरुचि के आधार पर, सेबी अनुमोदित विभिन्न पद्धतियों जैसे कि आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ), बिक्री की पेशकश (ओएफएस), शेयरों की वापस खरीद आदि के माध्यम से किया जाता है।

****

अनुबंध

<u>विनिवेश से प्राप्त आय के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2326 के उत्तर में संदर्भित अनुबंध</u>

उन पीएसई और/या पीएसई की सहायक कंपनियों/इकाइयों/संयुक्त उद्यमों और बैंकों की सूची जिनके रणनीतिक विनिवेश के लिए सरकार ने वर्ष 2016 से 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया है।

1. <u>चल रहे लेनदेन जिन पर दीपम द्वारा कार्रवाई की जा रही है</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
1.	बीईएमएल लिमिटेड
2.	शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
3.	एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड
4.	प्रोजेक्ट एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड
5.	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (सहायक कंपनी)
6.	इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्यूटिकल्स कॉरपोरेशन लिमिटेड
7.	कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
8.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
9.	एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल)
10.	(क) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड को छोड़कर)@ (ख) किसी रणनीतिक खरीदार पीएसई को नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड में बीपीसीएल की हिस्सेदारी $
11.	पवन हंस लिमिटेड #
12.	सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) #
13.	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की इकाइयां- एलॉय इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर^; सेलम इस्पात संयंत्र; भद्रावती इस्पात संयंत्र@
14.	आईडीबीआई बैंक

@पर्याप्त संख्या में बोलीदाताओं से रूचि प्राप्त न होने के कारण ईओआई की प्रक्रिया वापस ले ली गई।

$ लेनदेन संपन्न कर लिया गया है।

^ लेनदेन कुछ समय के लिए रोका गया है।

सफल बोलीदाता को अयोग्य घोषित कर दिया गया और लेनदेन समाप्त कर दिया गया है।

2. <u>पीएसई के बंदीकरण हेतु अनुशंसित/अनुमोदित होने के कारण; या अन्य किसी कारण से रोके गए लेनदेन</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
15.	हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड (सहायक कंपनी)*
16.	स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड*
17.	भारत पंप्स एंड कम्प्रेसर्स लिमिटेड *
18.	हिन्दुस्तान प्रीफैब लिमिटेड
19.	सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाइयां (नया गांव इकाई)##

* सरकार ने कम्पनी के बंदीकरण का अनुमोदन प्रदान कर दिया था।

लेनदेन व्यवहार्य नहीं है और खानों को राज्य सरकारों को वापस लौटाया जा रहा है।

3. <u>मुकद्दमों के कारण रोके गए लेनदेन</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
20.	कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड

4. <u>एनसीएलटी में कार्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के अधीन</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
21.	हिंदुस्तान न्यूजप्रिंट लिमिटेड (सहायक कंपनी)***

***दिनांक 29.01.2021 के आदेश द्वारा एनसीएलटी, कोची द्वारा अनुमोदित केरल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन (केआईएनएफआरए) की समाधान योजना वर्तमान में कार्यान्वयनाधीन है।

5. <u>लेनदेन संभाव्य नहीं</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
22.	इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड
23.	ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड

6. <u>वे लेनदेन जिन पर संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों द्वारा कार्रवाई की जा रही है</u>

क्र. सं.	पीएसई का नाम
24.	भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की विभिन्न इकाइयां
25.	हिन्दुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड
26.	बंगाल केमिकल्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड

7. संपन्न लेनदेन

क्र. सं.	सीपीएसई	अधिग्रहणकर्ता
27.	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	ओएनजीसी
28.	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (आरईसी)	पीएफसी
29.	एचएससीसी (इण्डिया) लिमिटेड	एनबीसीसी
30.	नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीसी)	वैपकोस
31.	ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल)	4 प्रमुख पत्तनों का संघटन
32.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसी)	एनटीपीसी
33.	नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको)	एनटीपीसी
34.	कामराजार पोर्ट लिमिटेड	चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट
35.	एअर इंडिया^^	मैसर्स टैलेस प्रा.लि.
36.	नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल)	मैसर्स टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स लिमिटेड

^^वे सहायक कंपनियां जो वर्तमान में एआईएएचएल के पास हैं, का अभी विनिवेश किया जाना है।

*****